20-10-2021

एनएसआई ग्रामीण अंचलों के चलाये कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम : निरंजन ज्योति

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

केन्द्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास साध्वी निरंजन ज्योति ने मंगलवार को यहां कहा कि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों में संस्थान के पाठ्यक्रमों का प्रचारप्रसार करने के साथ कुछ अल्प अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करे, ताकि संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों पर आधारित छोटे एवं कुटीर उद्योग स्थापित हो। इससे रोजगार के नये अवसर बन सकेंगे व ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होगा। उन्होंने गन्ना किसानों को नई प्रजातियों एवं वैज्ञानिक विधियों से गन्ना उत्पादन के बारे में जागरूक करने पर भी जोर दिया।

साध्वी निरंजन ज्योति राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कार्यकलापों की समीक्षा करने पहुंची थीं। उन्होंने इस मौके पर संस्थान में लंबे समय से रिक्त पदों पर चिंता व्यक्त की व आश्वासन दिया कि मंत्रालय स्तर पर इस विषय पर त्वरित कार्रवाई की जायेगी। संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने राज्य मंत्री को संस्थान द्वारा किये जा रहे शिक्षण,

केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने की राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में समीक्षा बैठक, साथ में संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन। फोटो : एसएनबी

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कार्यकलापों की समीक्षा

अनुसंधान एवं परामर्श के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गत वर्षों में संस्थान की वैश्विक स्तर पर पहचान बनी है। संस्थान को कैमरून एवं इंडोनेशिया से वहां की चीनी मिलों में कार्यरत तकनीकी कर्मियों हेतु ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाने हेतु अनुरोध प्राप्त हुए हैं। इस संदर्भ में एक प्रस्ताव मंत्रालय को अनुमोदन हेतु भेजा गया है। साथ ही नाइजीरिया से भी वहां के चीनी उद्योग के मास्टर प्लान की प्रोग्रेस का परीक्षण करते हेतु सहयोग मांगा गया है।

समीक्षा बैठक में इस बात भी चर्चा हुई कि संस्थान ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के संचालन के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय की योजनाओं की मदद भी ली जा सकती है। केन्द्रीय राज्य मंत्री की सहायक सचिव सौरभ अग्रवाल भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कार्यकलापों की समीक्षा बैठक की

कानपुर (नगर छाया समाचार)। साध्वी निरंजन ज्योति राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास, भारत सरकार द्वारा आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के कार्यकलापों की समीक्षा बैठक की गयी। संस्थान के निदेशक द्वारा मंत्री महोदया को संस्थान के द्वारा शिक्षण, अनुसन्धान एवं परामर्श के क्षेत्र मे किये जा रहे कार्यो की जानकारी दी गयी। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि गत वर्षों मे संस्थान की वैश्विक स्तर पर पहचान बनी है। संस्थान को कैमरून एवं इंडोनेशिया से वहां की चीनी मिलों मे कार्यरत तकनीकी कर्मियों हेतु ट्रेनिंग प्रोग्राम चलने हेतु अनुरोध प्राप्त हुए हैं, जिसके सम्बन्ध मे एक प्रस्ताव मंत्रालय को अनुमोदन हेतु भेजा गया है। साथ ही नाइजीरिया से भी वहां के चीनी उद्योग के मास्टर प्लान की प्रोग्रेस का परिक्षण करने हेतु सहयोग माँगा गया है। राज्य मंत्री, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण

विकास, भारत सरकार ने संस्थान के कार्य कलापों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की संस्थान ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों मे संस्थान के पाठ्क्रमों का प्रचार करने के साथ साथ कुछ अल्प अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करे ताकि संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों पर आधारित छोटे एवं कुटीर उद्योग स्थापित हों, जिससे रोजगार के नए अवसर बने तथा ग्रामीण क्षेत्रों का विकास हो सके। उन्होंने गन्ना किसानो को नयी प्रजातियों एवं वैज्ञानिक विधियों से गन्ना उत्पादन के बारे मे जागरूक करने पर भी जोर दिया। संस्थान मे लम्बे समय से रिक्त पदों के सम्बन्ध उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया की मंत्रालय स्तर पर इस विषय पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी।

आज

विकसित तकनीकों पर छोटे-कुटीर उद्योग को दिया जाय बढ़ावा

राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ने अधिकारियों के साथ ली समीक्षा बैठक

अधिकारियों के साथ बैठक करते राज्य मंत्री साध्वी निरंजन।

कानपुर, 19 अक्टूबर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर में आज खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, ग्रामीण विकास, राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने आज संस्थान के निदेशक, अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें राज्यमंत्री को शिक्षण अनुसंधान एवं परामर्श के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारियां दी गई। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि कैमरून एवं इंडोनेशिया से वहां की चीनी मिलों में कार्यरत तकनीकी कर्मियों के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाने के लिए अनुरोध पत्र प्राप्त हुए है, जिसके संबंध में एक प्रस्ताव मंत्रालय को अनुमोदन हेतु भेजा गया है। साथ ही नाइजीरिया से भी वहां के चीनी उद्योग के मास्टर प्लान की प्रोग्रेस का प्रशिक्षण करने हेतु सहयोग मांगा गया है। राज्यमंत्री ने संस्थान के कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संस्थान ग्रामीण अंचलो के विद्यार्थियों के संस्थान के पाठ्यक्रमों का प्रचार करने के साथ-साथ कुछ अल्प अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें ताकि विकसित तकनीकों पर आधारित छोटे एवं कुटीर उद्योग स्थापित हो सके। जिससे गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ सके। उन्होंने गन्ना किसनों को नई प्रजातियों एवं वैज्ञानिक विधियों से गन्ना उत्पादन के बारे में जागरुक करने पर भी जार दिया। संस्थान में रिक्त पदों पर जल्द से जल्द नियुक्ति के लिए मंत्रालय स्तर पर कार्यवाही का आवश्वासन दिया।

संस्थान में रिक्त पदों पर चिंता जाहिर की, मंत्रालय स्तर पर विचार-विमर्श

Minister asks NSI to conduct short-duration training programmes

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Union Minister of State for Consumer Affairs, Food & Public Distribution and Rural Development, Sadhvi Niranjan Jyoti, while reviewing the working of National Sugar Institute, Kanpur on Tuesday said that the institute should give a wider publicity of its courses in rural areas and should conduct short-duration training programmes so that the technologies developed by it could be taken by entrepreneurs from lab to commercial scale.

She said setting up of small industries in rural areas would bring prosperity and job opportunities in rural areas. She said side by side, the sugarcane farmers would be motivated to adopt newer varieties and go in for farming in a scientific manner.

Sadhvi Niranjan Jyoti, Minister of State, Consumer Affairs, Food & Public Distribution and Rural Development, reviewing the working at National Sugar Institute on Tuesday. Pioneer

She also expressed her concern over many faculty positions lying vacant at the NSI and assured urgent action from the end of the ministry.

NSI-Kanpur Director Prof Narendra Mohan apprised the minister of the current teaching, research and consultancy activities of the institute. He said the institute had made its presence in various sugar producing countries and had received proposals from Cameroon and Indonesia for conducting training programmes for the technical staff working in the sugar factories. He said in addition to it, a request had been received from Nigeria to evaluate the present status of their master plan in respect of the sugar industry.

ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता विकास को बढ़ावा दे एनएसआइ

जासं, कानपुर : खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं ग्रामीण विकास मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता विकास को बढ़ावा दिए जाने के निर्देश राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) के अधिकारियों को दिए हैं। मंत्री ने युवाओं के लिए शार्ट टर्म कोर्स संचालित करने के कहा है, जिससे उनका कौशल बढ़ाया जा सके।

मंगलवार को सर्किट हाउस में एनएसआइ के शैक्षणिक, शोध और अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसान गन्ने की फसल लगा रहे हैं, जबकि कई क्षेत्रों में चीनी मिलें नहीं हैं।

इसलिए ऐसे क्षेत्रों में कुटीर उद्योग स्थापित किए जाएं, जिससे किसान गुड़ व खांडसारी तैयार कर सकते हैं। उन्होंने निदेशक प्रो.नरेंद्र मोहन से देश और विदेश के संस्थानों संग हुए करार की जानकारी ली। शोध कार्य और भविष्य की योजनाओं को जाना। प्रो.नरेंद्र मोहन ने कैमरून, इंडोनेशिया व नाइजीरिया के साथ चल रहे कार्यक्रमों के बारे में बताया। मंत्रालय में लंबित मामलों की भी जानकारी दी।

सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक के दौरान खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति से बातचीत करते राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन • संस्थान

हिंदुस्तान 20.10.2021

नई तकनीकों पर शुरू करें शॉर्ट टर्म कोर्स

कानपुर। केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान शर्करा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए लगातार नई तकनीक विकसित कर रहा है। इनके माध्यम से लघु और कुटीर उद्योग विकसित हो सकें, इसके लिए संस्थान शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू करे। ताकि युवाओं को रोजगार मिले और गांव आत्मनिर्भर बन सके। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण एवं ग्रामीण विकास की राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति मंगलवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान पहुंचीं। उन्होंने समीक्षा बैठक की। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि वैज्ञानिक निरंतर नई तकनीक पर काम कर रहे हैं।